UP TGT-PGT Daily Rank Booster , Hindi Day -2

ENTRI

GET IT ON Google Play

1. **'सन् नौ से सैंतालिस अहै। कथा अरंभ बैन कवि कहै।।" किस रचना की पंक्ति है?**

A मधुमालती

B **पद्मावत**

C मृगावती

D माधवानल-कामकन्दला

Solution

जायस के रहने वाले कवि मलिक मुहम्मद जायसी ने 947 हिजरी में पद्मावत लिखा था। जायसी के ही शब्दों में-

सन् नौ से सैंतालिस अहै।

कथा अरंभ बैन कवि कहै।।

और जायस नगर धरम अस्थानू।

तहवां यह कवि कीन्ह बखानू।।

पद्मावत की रचना तिथि के बारे में विचार करते हुए डॉक्टर वासुदेवशरण अग्रवाल ने 927 हिजरी में रचना का प्रारम्भ काल माना है। उन्होंने हिंदी परिषद पत्रिका के 1962 के एक अंक में पद्मावत का रचना काल सन् 927 या 947 शीर्षक एक निबन्ध

लिखा था, जिसमें उन्होंने 927 हिजरी काव्य के प्रारंभ करने की तिथि तथा शेरशाह की राज्य काल की किसी तिथि को उसकी पूर्ण होने की तिथि मानी है।

2. **‘के लिए’ किस कारक की विभक्ति है?**

A संबोधन कारक

B **सम्प्रदान कारक**

C अधिकरण कारक

D करण कारक

Solution

‘के लिए’ सम्प्रदान कारक के चिह्न होते हैं।

सम्प्रदान का अर्थ 'देना' होता है। जब वाक्य में किसी को कुछ दिया जाए या किसी के लिए कुछ किया जाए तो वहां पर सम्प्रदान कारक होता है। सम्प्रदान कारक के विभक्ति चिन्ह 'के लिए' या 'को' हैं।

3. **निम्नलिखित विकल्पों में से वाक्य का अशुद्ध रूप क्या है?**

A. गाँधी जी चरखा चलाते थे।

B. **गांधीजी चरखा कातते थे।**

C. गाँधी जी द्वारा चरखा चलाया जाता था।

D. इनमें से कोई नही।

Solution

'गांधीजी चरखा कातते थे।' अशुद्ध वाक्य है क्योंकि इसमें क्रियापद सम्बन्धी त्रुटि है।

इस वाक्य में 'कातते थे' के स्थान पर 'चलाते थे' क्रियापद का प्रयोग उचित होगा।

4. **वृहत शब्देन्दुशेखर किसके द्वारा रचित है?**

A सुबंधु

B पद्मा गुप्त

C क्षेमेंद्र

D **नागेश भट्ट**

Solution

वृहत शब्देन्दुशेखर नागेश भट्ट द्वारा रचित है। नागेश भट्ट (1730–1810) संस्कृत के नव्य वैयाकरणों में सर्वश्रेष्ठ है। इनकी रचनाएँ आज भी भारत के कोने-कोने में पढ़ाई जाती हैं। ये महाराष्ट्र के ब्राह्मण थे। इनके पिता का नाम शिव भट्ट और माता का नाम सतीदेवी था।

5. **'यदि बारिश होगी तो भीग जाऊंगा।' में कौन सा काल है?**

A सामान्य भविष्यतकाल

B संभाव्य भविष्यतकाल

C **हेतुहेतुमद भविष्यतकाल**

D इनमें से कोई नहीं

Solution

'यदि बारिश होगी तो भीग जाऊंगा।' में हेतुहेतुमद भविष्यतकाल होगा।

हेतुहेतुमद भविष्यतकाल - क्रिया के जिस रूप से एक कार्य का पूरा होना दूसरी आने वाले समय की क्रिया पर निर्भर हो, उसे हेतुहेतुमद भविष्यतकाल कहते हैं।

जैसे-जो कमाए सो खाए।

'यदि बारिश होगी तो भीग जाऊंगा।' इसमें 'भीग जाना' क्रिया 'बारिश' के होने पर निर्भर है। इसलिए यहाँ पर 'हेतुहेतुमद भविष्यत काल' होगा।

ENTRI

6. **भारोपीय भाषा परिवार किस भाषा परिवार का विभाजन है?**

A अफ़्रीकी-एशियाई भाषा परिवार

B **हिन्द -आर्य भाषा परिवार**

C द्रविड़ भाषा परिवार

D अंडमानी भाषा परिवार

ENTRI

Solution

हिन्द -आर्य भाषा परिवार भारत का सबसे बड़ा भाषाई परिवार है। इसका विभाजन 'इन्डो-युरोपीय' (हिन्द यूरोपीय) भाषा परिवार से हुआ है, इसकी दूसरी शाखा 'इन्डो-इरानी' भाषा परिवार है जिसकी प्रमुख भाषायें फारसी, ईरानी, पश्तो, बलूची इत्यादि हैं।

भारत की दो तिहाई से अधिक आबादी हिन्द आर्य भाषा परिवार की कोई न कोई भाषा विभिन्न स्तरों पर प्रयोग करती है। जिसमें संस्कृत समेत मुख्यत: उत्तर भारत में बोली जानेवाली अन्य भाषायें जैसे: हिन्दी, उर्दू, मराठी, नेपाली, बांग्ला, गुजराती, कश्मीरी, डोगरी, पंजाबी, उड़िया, असमिया, मैथिली, भोजपुरी, मारवाड़ी, गढ़वाली, कोंकणी इत्यादि भाषायें शामिल हैं।

7. **किसी प्रसिद्ध व्यक्ति का नाम आदि को संक्षेप में लिखने के लिए उसका पहला अक्षर लिखकर उसके बाद किस विराम चिन्ह का प्रयोग होता है?**

A अर्द्ध विराम

B पूर्ण विराम

C **लाघव चिन्ह**

D उपविराम

Solution

लाघव चिह्न (o या .)- किसी शब्द जो बड़ा हो या प्रसिद्ध हो या फिर किसी कंपनी, संस्थान, किसी प्रसिद्ध व्यक्ति का नाम आदि को संक्षेप में लिखने के लिए उसका पहला अक्षर लिखकर उसके बाद लाघव चिन्ह (o या .) का प्रयोग किया जाता है। आजकल (.) का इस्तेमाल प्रमुखता से किया जाता है।

जैसे-

एम. एम. फरुखी

डॉ. रोहित

प्रो. नीलम सिंह

8. **शांत रस का स्थायी भाव क्या है?**

A क्रोध

B जुगुप्सा

C शोक

D **निर्वेद**

Solution

‘शांत’ रस का स्थायी भाव ‘निर्वेद’ है। हृदय की इस वैराग्य भावना को ‘निर्वेद’ कहते हैं।

काव्य को पढ़ने, सुनने से उत्पन्न होने वाले आनंद की अनुभूति को साहित्य के अंतर्गत रस कहा जाता है। हिंदी में ‘स्थायी भाव’ के आधार पर काव्य में ‘नौ’ रस बताए गए हैं।

9. **निम्नलिखित काव्य पंक्ति में कौन-सा रस है?**

बरतस लालच लाल की मुरली धरी लुकाय, सौंह करें, भौंहनि हँसे, देन कहे नटि जाए।

A भयानक रस

B हास्य रस

C वीर रस

D **श्रृंगार रस**

Solution

दी गई काव्य पंक्ति में श्रृंगार रस के भाव-अनुभावों का मनोहारी चित्रण हुआ है। अत: यह ‘संयोग श्रृंगार’ का उदाहरण है।

जहां काव्य में 'रति' नामक स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव और संचारी भावों से पुष्ट होकर रस में परिणत होता है वहां श्रृंगार रस होता है।

10. **देवनागरी लिपि की उत्पत्ति हुई है-**

A खरोष्ठी लिपि से

B रोमन लिपि से

C गुप्त लिपि से

D **ब्राह्मी लिपि से**

Solution

देवनागरी लिपि की उत्पत्ति ब्राह्मी लिपि से हुई है।

जैनों के 'प्रज्ञापनासूत्र' में लिखा है कि 'अर्धमागधी' भाषा जिस लिपि में प्रकाशित की जाती है वह ब्राह्मी लिपि है'। अर्धमागधी भाषा मथुरा और पाटलिपुत्र के बीच के प्रदेश की भाषा है जिससे हिंदी निकली है। अतः ब्राह्मी लिपि मध्य आर्यावर्त की लिपि है जिससे क्रमशः उस लिपि का विकास हुआ जो पीछे 'नागरी' कहलाई।

ENTRI
GET IT ON Google Play